

नहीं बजता ये डमरू

नहीं बजता,
नहीं बजता ये डमरूँ,
भाँग बिना नहीं बजता,
अरे भाँग बिना ना लागे गौरा,
सुर और ताल निगोड़ी,
देख तमाशा डमरूँ का,
तू भाँग पिला दे थोड़ी
नहीं बजता,
नहीं बजता ये डमरूँ,
भाँग बिना नहीं बजता....

भाड़ में जाए तेरा डमरू,
आग लागे भंगिया को,
मेरे जैसी इस दुनिया में,
होगी नहीं कोई दुखिया हो ,
तू तो नशे में रहता है,
तू भाँग पिए ना थोड़ी,
तुझसे ब्याह करा के,
मैंने अपनी किस्मत फोड़ी
नहीं बजता,
नहीं बजता ये डमरूँ,
भाँग बिना नहीं बजता.....

एक दो दिन की बात नहीं है,
काम ये रोज़ का तेरा
मेरी कलाई ये टूटन लागी,
हाल हुआ ये मेरा,
तेरी मेरी नहीं बनेगी,
मैं तो पीहर दौड़ी
तू भी भोला में भी भोली,
बन जाऊँगी ढोली
नहीं बजता,
नहीं बजता ये डमरूँ,
भाँग बिना नहीं बजता.....

खैर खबरिया भक्तजनों की,
लेना बहुत ज़रूरी,
भाँग बिना ना ध्यान लागे,
मेरी है मजबूरी
अरे प्यार से भाँग पिला दे,
गौरा क्यूँ करती है चौड़ी,
दिल की घूटी प्यार का सोटा,

सोटा खूब बनेगी जोड़ी
नहीं बजता,
नहीं बजता ये डमरूँ,
भाँग बिना नहीं बजता.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28132/title/nahi-bajta-ye-damru>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |